

मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ आजु लखनऊ से वर्चुअल जरिया से नगर निकायन से जुड़ल प्रदेश भर के तेरह हजार आठ सौ जनप्रतिनिधियन के साथे 'विकसित उत्तर प्रदेश-2047' बिसय पर संवाद कइलें। यह दौरान उहां के प्रदेश के नगर निकायनों में यह मुद्दा पर एक-एक गो सम्मेलन करवले पर जोर दिहलीं।

मैं चाहूंगा कि सात सौ बासठ नगर निकायों में एक-एक सम्मेलन भी हो। इसकी अध्यक्षता वहां का चेयरमैन या महापौर करे और कोई जनप्रतिनिधि या पूर्व जनप्रतिनिधि, किसी आयोग या बोर्ड का कोई अध्यक्ष या कोई न कोई पदाधिकारी वहां जाकर के इस मुद्दे को आगे बढ़ाए।

मुख्यमंत्री कहलें कि ऊ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क 'पंच प्रण के साथे' सज्जो नगर निकायन के जोड़े आइल हवें। उहां के नगर निकायन में बढ़ि रहल सुविधा के बारे में खास तौर से जिकिर कइलीं। कार्यक्रम के बादे एगो सोशल मीडिया पोस्ट में उहां के ओम्मेद जतवलीं कि 'विकसित भारत- विकसित उत्तर प्रदेश' के सिद्धि में सज्जो सम्मानित जनप्रतिनिधि सहजोग करिहें।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कहले हवें कि रेलवे की ओरि से दिवाली अउर छठ परब के दौरान रिकॉर्ड संख्या में बारह हजार बिसेस रेलगाड़ी चलावल जाई। वर्चुअल जरिया से बिहार बदे तीनी गो अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियन के सथहीं कुछु अउरियो रेलगाड़ियन क उद्घाटन करत आजु उहां के ई जनकारी दिहलीं। रेल मंत्री कहलें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगुआई में रेलवे पर खास धियान दीहल गइल हौ, खास कइ के ओह राज्यन में जहवां सुविधा कम रहल। आजु से सुरु कइल गइल तीनी गो अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी मुजफ्फरपुर के चरलापल्ली, दरभंगा के मदार जंक्सन अउर छपरा के आनंद बिहार टर्मिनल से जोड़ी। हमरे गोरखपुर प्रतिनिधि बतवलें कि छपरा से आनंद बिहार जाये वाली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन दुपहरिया बाद साढ़े तीनी बजे के करीब गोरखपुर जंक्सन पहुंचलि, जहवां अधिकारी लोगि ओकर स्वागत कइलें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगुआई में सरकार सेवा अउर सुसासन के मंत्र से प्रेरणा लेत बदलाव आ प्रगति ले आवे बदे लगतारे कोसिस कइ रहलि हौ। आजु यह बिसेस श्रृंखला-‘सेवा पर्व’ में हमनी के आप लोगिन के जनकारी दे रहल हई कि कइसे मोदी सरकार ‘पीएम गतिसक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान’ के जरिये ढांचागत विकास के क्रांतिकारी बनवले हवे।

पीएम गतिसक्ति पहल एक ऐसा मास्टर प्लान है जो सीमाओं को तोड़ रहा है, कार्यान्वयन में तेजी ला रहा है और भारत के विकास के सपने को साकार कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, गतिसक्ति समग्र शासन का विस्तार है।

पीएम गतिसक्ति मास्टर प्लान सरकारी प्रोसेस और उससे जुड़े अलग-अलग स्पेकुलर्स को तो एक साथ तो लाता ही है, ये ट्रांसपोर्टेशन के अलग-अलग बोर्ड्स को भी आपस में जोड़ने में भी करता है। ये होलिस्टिक गवर्नेंस का विस्तार है।

पीएम गतिसक्ति एक राष्ट्रीय मास्टर प्लान वर्ष 2021 में शुरु हुआ था। जो समन्वित और निर्बाध परियोजना निष्पादन के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर बुनियादी ढाँचे के विकास को एकीकृत करता है। पहली बार, 57 मंत्रालय और 36 राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेश एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक साथ काम कर रहे हैं, जिसमें एक हजार 700 से ज्यादा डेटा लेयर्स एकीकृत हैं। परियोजनाओं के मूल्यांकन के बाद नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप एनजीपी की एक व्यवस्था स्थापित की गई है। अब तक, एनजीपी व्यवस्था के माध्यम से 13 लाख 59 करोड़ रुपये की 293 बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का मूल्यांकन किया जा चुका है। जीआईएस-आधारित मानचित्रण, रीयल-टाइम निगरानी और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के साथ, गतिसक्ति टिकाऊ बुनियादी ढाँचे का निर्माण कर रही है और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। विष्णु की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से शक्ति सिंह।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वतंत्रता दिवस के मौका पर लाल किला के प्राचीर से दिवाली ले अगिला पीढ़ी के जीएसटी सुधारन क घोसणा कइले रहलें। ई सुधार बाइस सितम्बर से लागू हो चुकल हौ। प्रस्तुत बा एगो रिपोर्ट-

जीएसटी टू प्वाइंट जीरो में पिज्जा, ब्रेड, खाखरा अउर रोटी पर पहिले पांच फीसदी कर लागत रहे, जवन अब पुरहर तरीका से कर मुक्त कइ दीहल गइल बा। येही तरियन पराठा अउर डिब्बाबंद खइले के समानन पर जहवां पहिले जीएसटी कर अठारह फीसदी लागत रहे ऊ अब पुरहर तरीका से हटा दीहल गइल बा। एकरे सथहीं, सरकार सॉस अउर मसाला जइसन करी पेस्ट, मेयोनीज आ मिश्रित मसालो पर कर क दर बारह फीसदी से घटा के पांच फीसदी कइ दिहले हौ। कर में यह बदलाव क मकसद खइले के सामर्थ्य में सुधार, दैनिक पोसण सुनिश्चित कइले अउर उपभोग के प्रोत्साहित कइले के साथे-साथ परिवारन के आर्थिक राहति दीहल हौ। आकाशवाणी दिल्ली से रोहन अउर नीतिका गुप्ता के रिपोर्ट के साथे समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

नवरातर के पवित्र मौका पर आजु माई दुर्गा के कालरात्रि स्वरूप क पूजा-अर्चना कइल जा रहल हौ। हमरे बलरामपुर प्रतिनिधि बतवलें कि सप्तमी तिथि पर ओइजा के तुलसीपुर के देवीपाटन सक्तिपीठ पर भिन्नहिंयें से ढेरि संख्या में सरधालु माई क दरसन-पूजन कइ रहल हवें।
